IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"मुरादाबाद जनपद के नगरीय औद्योगिक परिदृश्य का प्रतिरूप तथा वातावरणीय समस्याओं का समाधान एवं भावी नियोजन"

शोध निर्देशक–

डॉ0 एस0 के0 शर्मा
अध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दू कालेज, मुरादाबाद
(उ0 प्र0)

शोधार्थी–

ब्रह्म सिंह
एम0 ए0, नेट, जे0आर0एफ0
हिन्दू कालेज, मुरादाबाद
(उ0 प्र0)

शोध सारांशः–

प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र जनपद मुरादाबाद के नगरीय औद्योगिक परिदृश्य का प्रतिरूप तथा वातावरणीय समस्याओं का समाधान एवं भावी नियोजन का अध्ययन है। 21 वीं शताब्दी के प्रारम्भ तक भारत ग्रामीण क्षेत्रों का देश कहा जाता था किन्तु इसके बाद में भारत की अर्थव्यवस्था को विकासशील अर्थव्यस्था की संज्ञा दी जाती है, जिसमें नगरीय क्षेत्रों में द्वितीय वित्तीय चतुर्थ क्रियाओं का भागीदारी बढ़ती जा रही है। यद्यपि मुरादाबाद जनपद रामगंगा नदी के बाएं किनारे पर विस्तृत समतल मैदान है जिसमें पंजीकृत संस्थानों के द्वारा मुरादाबाद औद्योगिक क्षेत्रों में जहॉ उद्योग कारखाने एवं खादी ग्रामोद्योग इकाइयां स्थापित है। इसके साथ स्थानीय नगरीय क्षेत्रों में परिवहन के रेल, सड़क, मार्गों के द्वारा स्थानीय, प्रान्तीय ,राष्ट्रीय राजधानी के साथ औद्योगिक क्षेत्र जुड़ा हुआ है। ये कुटीर एवं लघु उद्योगों के विकास से नगरीय क्षेत्र पूर्णतयः वायु, जल, ध्वनि, मृदा प्रदूषण की समस्या से ग्रस्ति है। अध्ययन क्षेत्र के निवासियों को रोजगार विकास का स्तर नगरीय औद्योगिक कारखानों के माध्यम से किया जाता है किन्तु तीव्र औद्योगिक इकाइयों से सम्पूर्ण नगरीय क्षेत्रों में वायु प्रदूषण एवं जल प्रदूषण ,ध्वनि प्रदूषण , मृदा प्रदूषण की समस्या से होने वाले हानियों के द्वारा नगरीय क्षेत्रों में वातावरणीय समस्याओं के समाधान एवं भावी नियोजन के माध्यम से नगरीय क्षेत्रों के निवासियों के जन जीवन पर वातावरणीय समस्याओं के मूल्यांकन करके सुझाव प्रस्तुत किया गया है।

शोध अध्ययन के लिए चयनित मुरादाबाद जनपद क्षेत्र उत्तर प्रदेश के सबसे सघन बसे क्षेत्रों में एक विशाल समतल मैदान में रामगंगा नदी के बायें किनारे पर स्थित है। इसका अक्षांश विस्तार 28०21′ से 28०16′ अक्षांश तक 78०4′ से 79० पूर्वी देशान्तर तक है। इसके उत्तर अमरोहा , पूर्व बिजनौर ,दक्षिण में रामपुर , पश्चिम में बदायूँ , हापुड़ आदि स्थित है। इसका भौगोलिक क्षेत्रफल 2223.98 वर्ग किमी0 है। सागर तल से इसके औसत ऊॅचाई 200 मीटर है । इसका समान ढाल पूर्व की ओर है। 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 3102242 व्यक्ति है जिसमें नगरीय जनसंख्या 1156526 तथा ग्रामीण जनसंख्या 1945716 व्यक्ति , जिसमें 37.28 प्रतिशत तथा 62.72 प्रतिशत है । जनसंख्या घनत्व 1440 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 है। लिंगानुपात 1000/909 है। जनपद में 4 तहसील तथा आठ विकासखण्ड –ठाकुरद्वारा , डिलारी, छजलैट, भगतपुर टांडा, मुरादाबाद, मूढापाण्डे, डींगरपुर, बिलारी विकासखण्ड है। जनपद में नगरीय लिंगानुपात 1000/913 तथा ग्रामीण क्षेत्रों में लिंगानुपात 1000/907 प्रति हजार पुरूष है। गांवों की संख्या 1141 जिसमें 936 आबाद है । ग्राम पंचायत 960 तथा न्याय पंचायत 95 है।

आर्थिक वर्गीकरण में उद्योगों और विनिर्माण से जुड़े कार्यकलापों की द्वितीयक आर्थिक क्रियायें कहा जाता है। मानव यन्त्र उपकरण और औजार बनाने का कार्यअति प्राचीन काल से कर रहा है। सामान्यतः ईधन या विद्युत ऊर्जा से चलने वाले कच्चे माल से उपभोग योग्य वस्तु या मशीन के निर्माण करने की प्रक्रिया उद्योग कारखाने कहलाते है। इसमें मशीनों से बने पीतल की नगरीय के रूप में मुरादाबाद जल देश में प्रसिद्ध है। यहॉ पर कोई खनिज पदार्थ की स्थिति नही है फिर भी समतल मैदान में

जनसंख्या ,दिल्ली ,बरेली , लखनऊ , रामपुर ,अमरोहा नगरों की निकटता सुलभ तकनीकी केन्द्रों एवं राज्य सरकार के द्वारा प्रोत्साहित औद्योगिक क्षेत्र मुरादाबाद नगर कुटीर एवं लघु उद्योगों , सूक्ष्म एवं मध्यम वर्ग के उद्योग स्थित है।

मुरादाबाद जनपद में पंजीकृत कारखानें, लघु औद्योगिक इकाइयॉ, खादी ग्रामों उद्योग इकाइयॉ एवं उनमें कार्यरत व्यक्ति की संख्या विकासखण्डवार 2017–18

क्र0 सं0	विकासखण्डवार 2017–18	पंजीकृत कारखाने		लघु औद्योगिक इकाइयॉ		खादी ग्रामोद्योग इकाइयॉ	
		कारखानों की संख्या	कार्यरत व्यक्ति	इकाइयों की संख्या	कार्यरत व्यक्ति	इकाइयों की संख्या	कार्यरत व्यक्ति
1	ठाकुद्वारा	1	1420	256	1588	14	155
2	डिलारी	0	0	74	580	20	280
3	छजलैट	0	0	185	1469	40	620
4	भगतपुर टांडा	0	0	150	727	22	288
5	मुरादाबाद	4	419	760	4215	46	812
6	मूढापाण्डे	3	301	155	995	50	654
7	डींगरपुर	0	0	138	990	50	775
8	बिलारी	4	188	185	1503	35	401
	योग ग्रामीण	12	2328	1903	12067	277	3985
	योग नगरीय	4	102	7024	51435	0	0
	कुल जनपद योग	16	2430	8927	63502	277	3985

स्रोतः–सांख्यिकीय पत्रिका मुरादाबाद जनपद 2017–18

सारणी सं0 2 में मुरादाबाद जनपद में 2017–18 के अनुसार विभिन्न विकासखण्डों में पंजीकृत कारखानों की संख्या 16 है तथा कार्यरत व्यक्तियों की संख्या 2430 है तथा लघु उद्योग इकाइयों की संख्या 8927 है। संलग्न व्यक्तियों की संख्या 63502 है तथा खादी उद्योग इकाइयों की संख्या 277 है। कुल खादी उद्योग में कार्यरत व्यक्तियों की संख्या 3985 है। इस प्रकार अध्ययन क्षेत्र मुरादाबाद के विभिन्न प्रखण्डों में उद्योग की स्थिति में उच्चतम औद्योगिक क्षेत्र मुरादाबाद 4, बिलारी 4, मूढापाण्डे 3, तथा न्यूनतम कारखानों की संख्या ठाकुरद्वारा 1, डिलारी 0, छजलैट 0, डींगर 0, उद्योग है। ग्रामीण क्षेत्रों में 12 उद्योग कारखानें तथा नगरीय क्षेत्रों में 4 उद्योग स्थापित है। कार्यरत श्रमिकों की संख्या मुरादाबाद 419, मूढापाण्डे 301, बिलारी 188, ठाकुरद्वारा 1420 व्यक्ति कार्यरत है। लघु उद्योग इकाइयों में उच्चतम स्तर पर ठाकुरद्वारा 256 ,मुरादाबाद 760, डजलैट 185, बिलारी 185, मूढापाण्डे 155 ,भगतपुर टांडा 150 तथा न्यूनतम उद्योग इकाइयां डिलारी 74, डींगरपुर 138, तथा कार्यरत व्यक्तियों की संख्या मुरादाबाद 4215,ठाकुरद्वारा 1588, बिलारी 1503, छजलैट 1469, उच्चतम कार्यरत व्यक्ति हैं तथा डिलारी 580, भगतपुर टांडा 727, मूढापाण्डे 990, न्यनतम कार्यरत व्यक्ति के विकासखण्ड है। इस प्रकार ,खादी ग्रामोद्योग की इकाइयों की संख्या–मूढापाण्डे 50, डीगरपुर 50, मुरादाबाद 46, छजलैट 40, बिलारी 35 इकाइयॉ है तथा न्यूनतम स्तर के विकासखण्ड ठाकुरद्वारा 14, डिलारी 20, भगतपुर टांडा 22, है इस प्रकार अध्ययन क्षेत्र में औद्योगिक कारखानों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 12 तथा कार्यरत व्यक्तियों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 12 तथा कार्यरत व्यक्तियों की संख्या 2328 है तथा नगरीय क्षेत्र में 4 कार्यरत व्यक्ति 102 है। लघु इकाइयों की संख्या ग्रामीण क्षेत्र में 1903 तथा नगरीय क्षेत्र में 7024 है । कार्यरत व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्र में 12067 तथा नगरीय क्षेत्र में 51435 कार्यरत है तथा खादी ग्रामों उद्योग इकाइयों की संख्या 277 है तथा नगरीय में 0 है कार्यरत व्यक्तियों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 3985 है तथा नगरीय क्षेत्रों में 0 है । इस प्रकार शोधार्थी के द्वारा जनपद में पंजीकृत कारखानों की इकाइयों की संख्या एवं कार्यरत व्यक्तियों की संख्या का विश्लेषण किया गया है।

मुरादाबाद जनपद का नगरीय मानचित्र

मुरादाबाद जनपद का औद्योगिक आस्थानों की स्थितिः–

क0 सं0	मद	2015–16	2016–17	2017–18
1	आस्थानों की संख्या	3	3	3
2	शेडों की संख्या			
2.1	आवंटित	10	10	10
2.2	कार्यरत	8	8	9
3	प्लांटो की संख्या			
3.1	आवंटित	140	140	140
3.2	कार्यरत	74	74	73
4	रोजगार में लगे व्यक्तियों की औसत संख्या	435	246	455
5	उत्पादन मूल्य(रूपये में)	35600	35700	500373

स्रोतः– महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र मुरादाबाद

अध्ययन क्षेत्र में जनपद में औद्योगिक इकाइयों की आस्थानों का विवरण 2017–18 की सांख्यिकी पत्रिका के अनुसार अध्ययन किया गया है।

उद्योग कारखानों की औद्योगिक इकाइयों की संख्या 2015–16 में 35600 तथा 2016–17 में 35700 और 2017–18 में 500379 रूपये उत्पादन मूल्य प्राप्त किया गया है। औद्योगिक इकाइयों की संख्या निर्धारित है , जिसमें आवंटित 2015–16 में 10, 2016–17 में 10, 2017–18 में 10 कार्यरत उद्योगों की संख्या 8, प्रत्येक वर्ष कार्यरत है। प्लांटों के द्वारा आवंटित उद्योग इकाइयों की संख्या 2015–16 में 140, 2016–17 में 140, 2017–18 में 140 तथा कार्यरत व्यक्तियों की संख्या 74, 74, 83 है। इस प्रकार रोजगार औद्योगिक क्षेत्रों लगे व्यक्तियों की औसत संख्या 2015–16 में 435, 2016–17 में 246 , 2017–18 में 455 को औसत रोजगार है। विभिन्न वर्षों में उत्पादन मूल्य रूपये में 2015–16 में 36000 रूपये, 2016–17 में 35700 रूपयें, 2017–18 में 500379 रूपये व्यक्तियों का औद्योगिक क्षेत्रों में औसत आयु रूपये में प्राप्त की जाती है।

मुरादाबाद जनपद में विभिन्न प्रकार के संस्थाओं के अधीन कुटीर एवं लघु लघु औद्योगिक इकाइयों की संख्या 2017–18

क0 सं0	संस्था का नाम	पंचायत द्वारा	क्षेत्र समिति द्वारा	औद्योगिक सहकारी समिति	पंजीकृत संस्था द्वारा	व्यक्तिगत उद्योगपतियो द्वारा	अन्य
1	खादी उद्योग	0	0	0	11	0	11
2	खादी ग्रामीण उद्योग द्वारा	0	0	0	361	0	361
3	लघु उद्योग इकाइयॉ						
3.1	इंजीनियरिंग	0	0	0	0	0	0
3.2	रासायनिक	0	0	0	0	0	0
3.3	विधायन	0	0	0	0	0	0
3.4	हथकरघा	0	0	0	0	0	0
3.5	रेशम	0	0	0	0	0	0
3.6	नारियल की जटा	0	0	0	0	0	0
3.7	हस्तशिल्प	0	0	0	0	0	0
3.8	अन्य	0	0	0	4044	0	4044
4	योग (1+2)	0	0	0	372	0	372
5	योग 3.1 से 3.8	0	0	0	4044	0	4044
	योग ग्रामीण एवं लघु उद्योग(4+5)	0	0	0	4416	0	4416
6	कार्यरत व्यक्तियों की संख्या(1+2)	0	0	0	15535	0	15535
7	लघु उद्योग इकाइयों में कार्यरत व्यक्ति 3.1 से 3.8	0	0	0	14173	0	14173
8	ग्रामीण एवं लघु उद्योग इकाइयों में कार्यरत व्यक्तियों की संख्या	0	0	0	29708	0	29708

स्रोतः– जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी मुरादाबाद

अध्ययन क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के संस्थाओं के अधीन कार्यशील कुटीर एवं लघु उद्योगों की स्थिति इकाइयों की संख्या 2017–18 के अनुसार 29708 है, जिसमें खादी उद्योग पंजीकृत संस्थाओं के द्वारा 11 ,अन्य के अनुसार 0 उद्योग है। खादी उद्योग कारखानों के परिवर्तित उद्योगों की संख्या पंजीकृत संस्थाओं के द्वारा 361 है। अन्य संस्थाओं द्वारा 0 है। लघु इकाइयों में विभिन्न प्रकार के संसाधनों द्वारा जैसे इंजीनियरिंग , रासायनिक, विधायन, हथकरघा, रेशम, नारियल जटा, हस्तशिल्प के कुल पंजीकृत संस्थानों की संख्या 4044 है (1+2) का कुल योग पंजीकृत संस्थानों के द्वारा (3+2) संख्या है तथा ग्रामीण एवं लघु उद्योगों की (4+5) क्रम की संख्या का योग 4416 है। कार्यरत 1+2 में व्यक्तियों की संख्या 15535 है । लघु इकाइयों की संख्या 14173 है। ग्रामीण तथा लघु इकाइयों का कुल योग कार्यरत व्यक्तियों की संख्या 29708 है।

शोधार्थी के द्वारा अपने अध्ययन क्षेत्र मुरादाबाद जनपद में औद्योगिम परिदृश्य इकाइयों की गणना सांख्यिकीय पत्रिका एवं जिला प्रबन्धक औद्योगिक समिति के अनुसार आंकड़े प्राप्त किये गये हैं। इन आंकड़ों का विश्लेषण सांख्यिकी विधि के अनुसार है।

मुरादाबाद जनपद में वातावरणीय समस्यायेः–

भारत सरकार द्वारा जन स्वास्थ्य की समग्र सुरक्षा के उद्देश्य की गम्भीरता को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न प्रकार के वातावरणीय समस्या बढ़ती जनसंख्या वृद्धि एवं मानव द्वारा प्रकृति तत्वों का लगातार विदोहन के कारण अनेक प्रकार के पर्यावरणीय समस्या उत्पन्न हो रही है। शोधार्थी के द्वारा अपने अध्ययन क्षेत्र जनपद मुरादाबाद में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वातावरणीय समस्याओं का मूल्यांकन निम्न विन्दुओं के अन्तर्गत किया जा सकता है, क्योंकि नगरीय क्षेत्रों में अत्यधिक विकराल समस्या बढ़ते पर्यावरण तत्वों गुणवत्ता में कमी के कारण उत्पन्न हो रही है।, जिसमें जल–प्रदूषण , वायु–प्रदूषण, ध्वनि–प्रदूषण, मृदा–प्रदूषण महत्वपूर्ण विन्दु है।

1–वायु प्रदूषण की समस्याः– देश में प्रदूषित हवा का मुद्दा एक बार फिर गरमाता जा रहा है। राजधानी दिल्ली से लेकर प्रदेश के कई शहरों में एक बार फिर प्रदूषण की चपेट में है। मुरादाबाद भी इससे अछूता नहीं है। बुधवार 27 दिसम्बर 2019 को रेड जोन दर्ज की गई शहर की हवा केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सी0पी0सी0बी0) 5 बजकर 39 मिनट के बुलेटिन के मुताबिक मुरादाबाद शहर वायु प्रदूषण में देश के 27 वॉ प्रदूषित शहर रहा है तथा हवा की गुणवत्ता सूचकांक (ए0क्यू0आई0) 333 दर्ज किया गया। वायु प्रदूषण के मामले में उत्तर प्रदेश के दूसरे स्थान पर मुरादाबाद जनपद के नगरीय क्षेत्र है। आसमान में धुंध जैसे बादल छाये रहे। शहर वायु प्रदूषण की जहरीली गैसों की चपेट में काफी अधिक है। शहर की हवा में भारी धातुओं के कण, महीन जहरीले कणों, पार्टिकुलेट मैटर 2.5 की मात्रा 400 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गयी।

वायु प्रदूषण के प्रमुख शहर

क्रमांक	शहर	ए0क्यू0आई0
1	मुरादाबाद	368
2	मुजफ्फरनपुर	426
3	यमुनानगर	337
4	कानपुर	326
5	ग्रेटर नोएडा	294
6	दिल्ली	244

इन ऑकड़ों का आधार शोधार्थी द्वारा वायु प्रदूषण की समस्या ,जहरीली ,विषैली हवा के प्रदूषण की बढ़ती समस्या का विश्लेषण किया गया है।

2– जल प्रदूषण– मुरादाबाद जनपद में जल प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के अधिकारियों ने निरीक्षण किया तो मुरादाबाद शहर के 18 गन्दे नाले रामगंगा में बहते नजर आये। बोर्ड ने नगर निगम पर 18 करोड़ रूपये का जुर्माना लगाते हुए नाले के गन्दे पानी को शुद्ध कर नदी में बहाये जाने का निर्देश दिया।

- कुल 24 में 18 नालों के गन्दे पानी बहाते नजर आये।
- रामगंगा नदी में 18 गन्दे नाले गिराये जाने पर कार्यवाही।
- मुरादाबाद नगर निगम को 18 करोड़ रूपये का जुर्माना भरना होगा।

मुरादाबाद से सटकर बहने वाली रामगंगा नदी में शहर के नालों का गन्दा पानी डालने को लेकर मुरादाबाद नगर निगम पर कार्यवाही हुई है। शहर के 24 बड़े गन्दे नालो का पानी बिना संशोधित किये रामगंगा नदी में गिराये जाने पर यह जुर्माना लगाया गया है।

मुरादाबाद नगरीय क्षेत्रों में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अधिकारी के मुताबिक मार्च 2019 में मुरादाबाद नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि नालों के गन्दे पानी को शुद्ध करके रामगंगा में गिराया जाये, जब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने निरीक्षण किया । मुरादाबाद जनपद में भूमिगत जल के विदोहन एवं प्रदूषण से अब आर्सेनिक तत्वों की जल प्रदूषण की सबसे बड़ी समस्या बनती जा रही है। अध्ययन क्षेत्र में जल प्रदूषण के लिए औद्योगिक क्षेत्रों एवं नगरीय क्षेत्रों में विभिन्न कारखानों से निकलने वाली विषैले अपशिष्ट पदार्थ से जल प्रदूषण की समस्या दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

शोधार्थी के द्वारा अध्ययन के विभिन्न विकासखण्डों में जल–प्रदूषण विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होते है–

1–कृषि क्षेत्रों से जल प्रदूषण की समस्या उर्बरक ,रासायनिक दवाएँ।
2–औद्योगिक क्षेत्रों से विभिन्न विषैली अपशिष्ट से तत्वों से प्रदूषण की समस्या।
3–प्लास्टिक कागज ,रासायनिक, विषैली गैसों, के जलने से जल प्रदूषण की समस्या।
4–मानव मलवाहित तत्वों से जल प्रदूषण की विशाल समस्या।
5–जीव–जन्तु मानव जीवाष्म ईंधनों के जल में मिलने से जल प्रदूषण की समस्या।
6–मरे हुए अपघटक जीव शरीर को प्रवाह में जल–प्रदूषण की समस्या।
7–ठोस अपशिष्ट पदार्थों की सड़न डालने से जल–प्रदूषण की समस्या।
8–जल का P_H मान अधिक एवं कम होने जल प्रदूषण की समस्या।

3– मृदा प्रदूषण की समस्या–

अध्ययन क्षेत्र में मृदा प्रदूषण की समस्या विकराल समस्या है क्योंकि मृदा की भौतिक गुणवत्ता दिन–प्रतिदिन समाप्त होती जा रही है। इस प्रकार विभिन्न विकासखण्डों में मृदा अपरदन, मृदा अवनयन, मृदा निक्षालन की समस्या बढ़ती जा रही है। वर्षा ऋतु मृदा अपरदन की समस्या वन–विनाश तथा अधिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से अत्याधिक सिंचाई, अत्यधिक पशुचारण, कृषि क्षेत्र के विकास आदि से मृदा अपरदन की समस्या बढ़ती जा रही है। इस प्रकार अध्ययन क्षेत्र के विभिन्न विकासखण्डों में मृदा अपरदन की समस्या जटिल बन गयी है।

वातावरणीय समस्याओं के समाधान एवं भावी नियोजनः–

उपरोक्त कथन के अनुसार हम कह सकते हैं कि अध्ययन क्षेत्र जनपद मुरादाबाद में औद्योगिक परिदृश्य एवं आर्थिक विकास के तीव्र वृद्धि एवं जनसंख्या के कारण अनेक पर्यावरणीय समस्यायें दिनों–दिन बढ़ती जा रही है। भारत सरकार के विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं के जन–जागरूककता, जनकल्याण के माध्यम से मुरादाबाद के नगरीय क्षेत्रों में पर्यावरणीय समस्या के प्रति जनचेतना की आवश्यकता है। शोधार्थी के अनुसार भारत सरकार ने 1974 ई0 जल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्थापना की है तथा 1981 में वायु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं जोधपुर शोध संस्थान के माध्यम से अध्ययन क्षेत्र के नगरीय क्षेत्रों में वातावरणीय समस्या के निदान एवं भावी नियोजन के लिए सुझाव दिया है–

1–मुरादाबाद जनपद के प्रभारी मंत्री डॉ0 महेन्द्र सिंह ने आज मुरादाबाद सर्किट हाउस मनरेगा योजना के 2018–19 जल संचयन एवं जल संरक्षण हेतु जनपद में 202 तालाब का निर्माण कराया जिसमें विभिन्न विकासखण्ड सम्मिलित है। भगतपुर टांडा 34, डिलारी 20, डजलैट 15, बिलारी 27, डींगरपुर 34, मुरादाबाद 20, मूढ़ापाण्डे 18,ठाकुरद्वारा 29, चयनित तालाब शामिल है।

2–''जल ही जीवन है, लोग कहते है, सुनते हैं, जानते है और मानते हैं, लेकिन इसे बचाने के कितने लोग प्रयास करते है। इस प्रश्न का उत्तर गम्भीरता से सम्पूर्ण राष्ट्र के जल संरक्षण के महत्व को जनजागरण ,जनचेतना ,जनजागरूकता ,जनकल्याण, मानव सहित सभी जीवधारियों के जीवन का आधार जल के जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती है।

3–भारत सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के अन्तर्गत सम्पूर्ण पर्यावरणीय तत्वों की संरक्षण के विकास की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है, जिसमें जल प्रदूषण अधिनियम 1974 वायुप्रदूषण अधिनियम 1981 के अन्तर्गत संरक्षण किया जाता है।

4–अध्ययन क्षेत्र मुरादाबाद में नदियों ,तालाबों , कुऑ की जलगुणवत्ता बनाये रखने के लिए वायुप्रदूषण रोकने ,नियंन्त्रण कर उसे व्यापक कार्यक्रम की योजना बनाना चाहिए, जिससे पर्यावरणीय की गुणवत्ता का भावी नियोजन कायम रहेगा।

5–केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड के साथ मिलकर प्रदूषण नियंत्रण निवारण सम्बन्धिकत जानकारी शिक्षित व्यक्तियों के प्राथमिक विद्यालय से लेकर उच्च संस्थानों तक व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाना चाहिए।

6–ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पर्यावरणीय समस्याओं के जनजागरूकता ,जनचेतना के द्वारा सम्पूर्ण मानव स्वास्थ्य को देखते हुए सुरक्षा संरक्षण की आवश्यकता है।

7–मुरादाबाद जनपद में औद्योगिक क्षेत्रों की विषैली जहरीली गैसों के नियन्त्रण से वायुप्रदूषण बोर्ड के माध्यम से प्रदूषित समस्या को नियन्त्रण कर भावी स्थायित्व नियोजन की आवश्यकता है।

8–मल तथा व्यावसायिक वाहिस्राव व उत्सर्जन के शुद्धिकरण संयन्त्रों की जॉच तथा निरीक्षण करना तथा निकायों व औद्योगिक क्षेत्रों से होने वाली समस्याओं का रोकथाम करना चाहिए।

9–उद्योगों तथा स्थानीय निकायों से जल उपकरण एकत्र करना तथा केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड को भेजकर जॉच करना चाहिए।

10–पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 का अनुपालन राष्ट्रहित में प्रचार–प्रसार करना चाहिए।

11–उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड प्रदेश के उद्यमियों एवं जनता को जल, वायु, मृदा ,ध्वनि प्रदुषण से मानव के स्वास्थ्य के प्रभावों को जन में बताकर पर्यावरण संरक्षण अपनाना चाहिए।

12–आम जनता की भागीदारी सबसे बड़ा संरक्षण तकनीक माना जाता है।

13–सम्पूर्ण संरक्षण के द्वारा राष्ट्र, राज्य , जिला , विकासखण्ड एवं ग्रामीण , नगरीय स्तर पर सम्पूर्ण संरक्षण की भावी योजना के माध्यम से सम्पूर्ण पृथ्वी को बचाया जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1–जिला सांख्यिकीय पत्रिका मुरादाबाद 2017–18।
2–केन्द्रीय वायु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नई दिल्ली–2019।
3–समाचार पत्र, इण्टरनेट, पत्रिका योजना , 2019।
4–जिला औद्योगिक प्रबन्धक केन्द्र मुरादाबाद ।
5–इण्डस्ट्रियल डेवलपमेण्ट सर्विसेज रिपोर्ट मुरादाबाद –1998 पृष्ठ संख्या 69।
6–नेशनल इण्डस्ट्री डेवलेपमेन्ट कारपोरेशन नई दिल्ली –1999 पृष्ठ संख्या 109।
7–जनपदीय विकास पुस्तिका मुरादाबाद अवलोकन 2003–04।
8–द–हिन्दुस्तान टाइम्स नई दिल्ली–2000।
9–सी0 ए0 आर्ट–चेजिंग स्टेटस आफ वीमेन लायड पब्लिशर्स लिमिटेड मुम्बई 1969।
10–डॉ0 श्रीमती सूद–प्रवीण ग्रामीण विकास एवं आर्थिक सहभागिता 2001।
11–नदीम हुसैन–समकालीन भारतीय–2004 पृष्ठ 112।
12–सविन्द्र सिंह–पर्यावरणीय समस्यायें– 2001 पृष्ठ 89।